98

मैथिली विभाग

पटना विश्वविद्यालय, पटना।,

सत्रार्द्ध पद्धति (Semester System)

पटना विश्वविद्यालय, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमक लेल

सत्रार्द्ध पद्धति (Semester System)

सत्र - 2015-17 सँ विधिवत प्रभावी।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रममे दू अकादिमक सत्र होएत: प्रत्येक सत्र दू सत्रार्द्धमे (Semester) विभक्त रहत–

1. जुलाई- दिसम्बर एवँ 2. जनवरी - जून।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रममे कुल 16 पत्र होएत, जे चारि सत्रार्द्ध (Semester) मे समान रूपसँ विभक्त रहत। प्रत्येक पत्र 5 गण्यता (Credits) आओर समग्र पाठ्यक्रम 70 गण्यता (Credits) क होएत। एकर स्वरूप सैद्धान्तिक, प्रायोगिक, परियोजनामूलक एवं क्षेत्र कार्यसँ निर्धारित होएत।

प्रत्येक सत्रार्द्धक सभ पत्रमे सतत आंतरिक मूल्यांकनकें (Continuous Internal Assessment) लेल 30 अंक आ अर्द्ध सत्रान्तक परीक्षाक लेल 70 अंक निर्धारित अछि।

1. सतत आंतरिक मूल्यांकनक (Continuous Internal Assessment) अंकक विभाजन:

(i)	एक घंटा परीक्षावधिबला दू मध्य- सत्रार्द्धक लिखित परीक्षा (Two Mid -Semester Written Tests of one hour duration)	$7\frac{1}{2} \times 2 = 15$
(ii)	संगोष्ठी/क्वीज (प्रश्नोत्तरी)/नियतावधि आलेख (Seminar/Quiz/Term Paper)	05
(iii)	गृह- कार्यभार (Home Assignment)	05
(iv)	उपस्थिति- निरंतरता एवं आचरण (Regularity and Behavior)	05

2. अर्द्धसत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षाक (समय- 3 घंटा)

(End of Semester Exam (E.S.E) Written examination of 03 hours duration)

अंकक विभाजन:

1.	एगारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक गण्यतासँ (Credit) कमसँ कम दू प्रश्न)	11x1=11 अंक
2.	पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (चारि प्रश्नक उत्तर अपेक्षित) (प्रत्येक गण्यतासँ (Credit) एक प्रश्न	20 अंक
3.	पाँच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (तीन प्रश्नक उत्तर अपेक्षित) (प्रत्येक गण्यता (Credit) सँ एक प्रश्न	13x3=39 अंक

प्रथम आ तृतीय सत्रार्द्धकँ विषम सत्रार्द्ध (Old Semester) कहल जाएत, जकर परीक्षा नवँबर- दिसम्बर मे होएत। द्वितीय आ चतुर्थ सत्रार्द्धकँ सम सत्रार्द्ध (Even Semester) कहल जाएत,,जकर परीक्षा मई- जूनमे होएत।

जँ कोनो छात्र अनुत्तीर्ण होइए अछि तँ ओहि छात्रकँ ओही सत्रार्द्धक सम आ विषम सत्रार्द्धक परवर्ती परीक्षामे बैसबाक लेल अनुमति देल जाएत। विषम सत्रार्द्धकँ 'पावस सत्रार्द्ध' एवं सम सत्रार्द्धकँ 'शीत सत्रार्द्ध' कहल जाएत।

H. Mandal 24.10 24.10.15 (Dr. A. Avichal) 24/10/15

Head, P.G. Department of Maithili, Patna University, Patna-5

सतत आंतरिक मूंल्यांकन (Continuous Internal Assessment) क उत्तीर्णांक 30 अंकमे 40 प्रतिशत 12 अंक होएत। आंतरिक मूल्यांकनमे अनुत्तीर्ण छात्रकें उत्तरवर्ती सत्रार्द्धमे अंक सुधारबाक लेल लिखित परीक्षा एवं कार्यभार प्रस्तुत करबाक दू बेर अवसर प्रदान कएल जाएत।

अर्द्ध सत्रान्त (End of Semester Exams.) लिखित विश्वविद्यालय परीक्षामे उत्तीर्णांक 70 अंकमे 40 प्रतिशत 28 अंक होएत।

चारिम सत्रार्द्धमे पन्द्रहम आ सोलहम पत्र चयनात्मक होएत। दूनू पत्रमे तीन- तीन विकल्प देल गेल अछि, जाहिमे कोनो एक विषयकँ चयन करबाक होएत। अंकक विभाजन यथास्थान निर्देशित अछि

प्रथम वर्ष : पहिल सत्रार्द्ध (Semester-I)

प्रथम पत्र-मैथिली साहित्यक इतिहास (आदिकाल आ मध्यकाल)(Code No-M- Mai (101)

1. सतत आंतरिक मूल्यांकन (Continuous Internal assessment) 30 अंक
2. अर्द्ध सत्रान्त लिखित विश्वविद्यालय परीक्षाक (समय- 3 घंटा) अंकक विभाजन:
   1. एगारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येकं गण्यतासँ (Credit) प्रश्न) 11x1=11अंक
   2. पाँच लघु उत्तरीय प्रश्न (चारि प्रश्नक उत्तर अपेक्षित) 5x4= 20 अंक
      (प्रत्येक गण्यतासँ (Credit) एक प्रश्न
   3. पाँच दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (तीन प्रश्नक उत्तर अपेक्षित) 13x 3= 39 अंक
      (प्रत्येक गण्यतासँ (Credit) एंक प्रश्न) कुल- 70 अंक

Credit-1 मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि- मिथिलाक नामकरण, मिथिलाक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, मिथिलाक सांस्कृतिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण, मैथिली गीति काव्यक परम्परा आ मैथिली भाषाक महत्त्व।

Credit-II आदिकाल सामग्री, चर्यापद, सिद्धसाहित्य, वर्णरत्नाकर आ धूर्त्त समागम।

Credit-III विद्यापति- काल, रचना, प्रभाव, लोकप्रियता, शृंगार आ भक्ति कवि, काव्य प्रतिभा आ सम्प्रदाय।

Credit-IV मिथिलामे लिखल गेल नाटक- नाटककार, नाटकक विकास, नाटकक कथ्य, प्रवृत्ति आ महत्त्व।

Credit-V नेपालमे लिखल गेल नाटक-प्रमुख नाटक, नाटककर, विकास, कथ्य, प्रवृत्ति आ महत्त्व।
असममे लिखल गेल नाटक- प्रमुख नाटक, नाटककार, विकास, कथ्य , प्रवृत्ति आ महत्त्व।

सहायक ग्रंथ:-

1. मैथिली साहित्यक इतिहास- डॉ दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
2. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास- डॉ0 दिनेश कुमार झा
3. A History of Maithili Literature-Dr Jaykant Mishra
4. मैथिली साहित्यक आदिकाल- राजेश्वर झा
5. मिथिला तत्त्व विमर्श- म0 म0 परमेश्वर झा
6. History of Mithila- Dr Upendra Thakur
7. नेपालक मैथिली साहित्यक इतिहास- डॉ0 प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'
8. A History of Modern Maithili Literature -Dr Deva Kant Jha

H Mandal 24.10
24.10.15

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

द्वितीय पत्र

भाषा विज्ञान (Code No- M- Mai (102)

भाषा विज्ञानक पाठ्यांश

गण्यता Credit-1	भाषा विज्ञानक परिभाषा आ भाषाक उत्पत्ति
गण्यता Credit-II	भाषाक वर्गीकरण आ भाषाक परिवर्तनशीलता।
गण्यता Credit-III	अर्थ परिवर्त्तन आ कारण आओर ध्वनि परिवर्तनक कारण।
गण्यता Credit-IV	भारोपीय भाषा परिवार, भाषा आ बोली
गण्यता Credit-V	मैथिलीक उद्भव ओ विकास, मैथिली शब्दक विकासक्रम, मैथिली, मैथिली ध्वनि, ग्राम ओ ध्वनि प्रक्रिया

सहायक ग्रंथ

1. Formation of Maithili Language : Dr Subhadra Jha
2. भारतक भाषा सर्वेक्षण- मैथिली अकादमी, पटना।
3. मैथिलीक उद्गम ओ विकास- पं0 गोविन्द झा
4. मैथिली भाषिकी : भाषाक प्रकृति ओ प्रकार्य-- मू0-डॉ0 मुनीश्वर झा एवं सम्पादक-डॉ0 वीरेन्द्र झा.
5. मैथिली भाषा का विकास - पं0 गोविन्द झा
6. उच्चतर मैथिली व्याकरण- पं0 गोविन्द झा
7. मैथिली भाषाशास्त्र - डॉ0 धीरेन्द्र नाथ मिश्र
8. The Language - Bloomfield
9. मैथिली भाषा विज्ञान- डॉ0 नवीन चन्द्र मिश्र एवं डॉ0 शिवाकान्त ठाकुर
10. मैथिली भाषा : सर्वेक्षण आ विश्लेषण - डॉ0 अशोक कुमार झा

तृतीय पत्र

आधारभूत भाषा (Code No- M- Mai (103)

निर्धारित ग्रथ एवं पाठ्यांश

1. पुरुष परीक्षा- विद्यापति
   पाठ्यांश- तृतीय परिच्छेद मात्र
2. कीर्त्तिलता - विद्यापति
3. रघुवंश - कालिदास
   पाठ्यांश- द्वितीय सर्ग मात्र

उपर्युक्त निर्धारित ग्रंथ एवं पाठ्यांशकें प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपसँ विभाजित कएल गेल अछि--

गण्यता-i पुरुष परीक्षा

24.10.15

H Mandal

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

(19)

पाठ्यांश- तृतीय परिच्छेद (प्रारंभ सँ 10 कथा धरि)

गण्यता- ii कीर्तिलता

पाठ्यांश- प्रथम एवं द्वितीय पल्लव

गण्यता- iii रघुवंश

पाठ्यांश- द्वितीय सर्ग मात्र

गण्यता- iv पुरुष परीक्षा

पाठ्यांश- तृतीय परिच्छेद (एगारहम कथासँ अन्तधरि)

गण्यता- v कीर्तिलता

पाठ्यांश- प्रथम एवं द्वितीय पल्लव।

सहायक ग्रंथ:-

1. विद्यापति- डॉ0 शैलेन्द्र मोहन झा
2. मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ0 दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
3. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास- डॉ0 दिनेश कुमार झा

चतुर्थ पत्र :

मुक्तक काव्य (Code No- M- Mai (104)

निर्धारित ग्रंथ एवं पाठ्यांश

1. विद्यापति गीतावली-मैथिली अकादमी, पटना।
   गीत संख्या -01 सँ 20 धरि।
2. गोविन्ददास भजनावली- मैथिली अकादमी,पटना।
   गीत संख्या-01 सँ 10 धरि।
3. सूर्यमुखी- आरसी प्रसाद सिंह
4. मैथिली नव कविता - रामकृष्ण झा 'किसुन'
5. चित्रा-'यात्री'।

उपर्युक्त निर्धारित ग्रंथ एवं पाठ्यांशकेँ प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपमे विभाजित कएल गेल अछि--

गण्यता -I- विद्यापति गीतावली- गीत संख्या- 01 सँ 20 धरि।

गण्यता -II- गोविन्ददास भजनावली- गीत संख्या 01 सँ 10 धरि।

गण्यता -III- चित्रा

गण्यता -IV- सूर्यमुखी

गण्यता -V- मैथिली नव कविता

सहायक ग्रंथ:-

1. यात्री - सं0 डॉ0 हरिनारायण मिश्र, चेतना समिति, पटना।

24.10.15

24/10/15

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

2. गोविन्ददास- डॉ0 अमरनाथ झा
3. यात्री काव्य विवेचन- डॉ0 यशोदा नाथ झा
4. आरसी प्रसाद सिंहक मैथिली काव्यक विश्लेषणात्मक अध्ययन-डॉ सुभद्रा सिंह 'तोमर'
5. रामकृष्ण झा 'किसुन'- सं0 मोहन भारद्वाज
6. मैथिली काव्यक विकास - सं0 सुरेश्वर झा
7. समकालीन मैथिली कविता - सं0 भीमनाथ झा एव मोहन भारद्वाज
8. मैथिली नव कविता - डॉ0 रमानंद झा 'रमण'

प्रथम वर्ष

द्वितीय सत्रार्द्ध

पंचम पत्र : मध्यकालीन नाटक(Code No- M- Mai (201)

निर्धारित पाठ्यक्रमकें निम्न गण्यतामे विभक्त कयल गेल अछि-

गण्यता -I- मिथिलामे लिखल गेल नाटक।

गण्यता -II- असममे लिखल गेल नाटक।

गण्यता -III- नेपालमे लिखल गेल नाटक।

गण्यता -IV- राम विजय - शंकर देव

गण्यता -V- पारिजातहरण- उमापति।

सहायक ग्रंथ:-

1. मैथिली नाटक उद्‌भव ओ विकास- डॉ0 लेखनाथ मिश्र
2. मैथिली नाटक परिचय- डॉ0 प्रेमशंकर सिंह
3. मैथिली नाटक पर संस्कृतक प्रभाव- डॉ0 जयमन्त मिश्र
4. मैथिली नाटकमे चरित्र-सृष्टि - डॉ0 इंदिरा झा
5. आधुनिक मैथिली नाटक (पहिल शताब्दी) -सं0 मधुकांत झा
6. मैथिली नाटकक विकास- सं0- डॉ0 देवकांत झा एवं डॉ0 दिनेश कुमार झा

षष्ठ पत्र : गद्य (M- Mai (202)

निर्धारित ग्रंथ-

1. वर्णरत्नाकर	-	ज्योतिरीश्वर
2. खट्टरककाक तरंग	-	हरिमोहन झा
3. संकलन	-	मैथिली अकादमी, पटना।
4. नातिक पत्रक उत्तर	-	डॉ. सुभद्र झा
5. विविधा	-	डॉ0 भीमनाथ झा

निर्धारित ग्रंथ एवं पाठ्यांश-

गण्यता -I- वर्णरत्नाकार

गण्यता -II- खट्टरककाक तरंग

H Mandal

Aruna Chaudh

24.10

24.10.15

24/10/15

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

गण्यता -III- संकलन- साहित्यक मर्यादा, अगहन-पूस, आदान-प्रदान, समीक्षावृत्ति, साहित्यमे राधा, साहित्यमे प्रयोजक वास्तविकता, इतिहास देवताक आह्वान, लोकतंत्रमे बौद्धिकजनक भूमिका।

गण्यता -IV- नातिक पत्रक उत्तर

गण्यता -V- विविधा।

सहायक ग्रंथ

1. मैथिली साहित्यक इतिहास- डॉ0 दुर्गानाथ झा 'श्रीश'।
2. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास - डॉ0 दिनेश कुमार झा
3. शिखरिणी- चेतना समिति, पटना।
4. मैथिली गद्यक विकास- सं0 मोहन भारद्वाज, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
5. वर्णरत्नाकरक काव्यशास्त्रकीय अध्ययन- कांची नाथ झा 'किरण'
6. वर्णरत्नाकार मे चित्रित मध्ययुगीन सांस्कृतिक भारत - डॉ0 भुवनेश्वर गुरमैता।

सप्तम पत्र: काव्यशास्त्र (M- Mai (203)

काव्यशास्त्रक पाठ्यांश

Credit-I काव्यक लक्षण, काव्यक हेतु आ काव्यक प्रयोजन।

Credit-II शब्दशक्ति - अभिधा, लक्षणा आ व्यंजना।

Credit-III रस, काव्यक गुण, अलंकार- दृष्टान्त, अनन्वय, अतिशयोक्ति, प्रतीप, संदेह, भ्रान्तिमान, अर्थान्तरन्यास, अपह्नुति, संकर, संसृष्टि।

Credit-IV काव्यक दोष, अलंकार - अनुप्रास , यमक , श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, विशेषोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, समासोक्ति, निदर्शना, काव्यलिंग।

Credit-V छन्द- दोहा, चौपाई, रोला, कुंडलिया, भुजङ्प्रयात, मन्दाक्रान्ता, शार्दूल विक्रीड़ित, मालिनी आ शिखरिणी।

सहायक ग्रंथ

1. काव्यप्रकाश- मम्मट
2. साहित्यदर्पण- विश्वनाथ।
3. रसगंगाधर-पं0 जगन्नाथ
4. काव्यशास्त्रक रूपरेखा - डॉ0 धीरेन्द्र
5. मैथिली काव्यशास्त्र - डॉ0 दिनेश कुमार झा
6. अलंकार- दर्पण (भाग-1 एवं 2)- कविवर सीताराम झा
7. रस परिचय - डॉ0 किशोरनाथ झा
8. काव्य मीमांसा - डॉ0 जयधारी सिंह
9. छन्दशास्त्र - पं0 गोविन्द झा
10. अलंकार भास्कर- डॉ रमण झा

24.10.15

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

अष्टम पत्रः समालोचना एवं पत्र- पत्रिका (M- Mai (204)

समालोचना एवं पत्र -पत्रिकाक पाठ्यांश-

Credit-I समालोचना- परिभाषा, उद्देश्य, प्रकार, आलोचकक गुण।

Credit-II मैथिली आलोचनाक विकास, प्रमुख आलोचक ओ हुनक आलोचना साहित्य।

Credit-III मैथिली पत्रकारिताक - स्वरूप, महत्त्व एवं विकास

Credit-IV मैथिली पत्रिकाक स्वरूप, मैथिलीक प्रमुख पत्र- पत्रिका- मैथिल हित साधन, मिथिलामोद, मिथिला मिहिर।

Credit-V मिथिला भारती, स्वदेश, वैदेही, साहित्य पत्र, मिथिला दर्शन, मैथिली, मैथिली दर्शन, मैथिली अकादमी पत्रिका।

सहायक ग्रंथ

1. समालोचना शास्त्र - डॉ0 जयधारी सिंह
2. प्रबंध - संग्रह - रमानाथ झा
3. आलोचना सिद्धान्त : बालकृष्ण झा
4. संदर्भ - सुधांशु 'शेखर' चौधरी
5. अनुसंधान ओ आलोचना : डॉ दिनेश कुमार झा
6. मैथिली पत्रकारिता इतिहास- चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'
7. मैथिली पत्र पत्रिका - सं0 मोहन भारद्वाज
8. मैथिली आलोचना साहित्यक दिशाबोध- बच्चा ठाकुर

द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्रार्द्ध (Sem-III)

नवम पत्र : मैथिली साहित्यक इतिहास (आधुनिक काल) M- Mai (301)

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपमे विभक्त रहत-

Credit-1 आधुनिक मैथिली गद्य-कथा, उपन्यास।

Credit-II आधुनिक मैथिली पद्य- कविता, प्रबंधकाव्य, महाकाव्य, खंडकाव्य।

Credit-III आधुनिक मैथिली नाटक।

Credit-IV आधुनिक मैथिली आलोचना, यात्रा-साहित्य।

Credit-V पत्र- पत्रिका, आत्मकथा, संस्मरण।

सहायक ग्रंथ :-

1. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास - डॉ0 दिनेश कुमार झा
2. मैथिली साहित्यक इतिहास- डॉ0 दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
3. मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ0 जयकांत मिश्र
4. आधुनिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि - डॉ0 अमरनाथ झा
5. परिचायिका - डॉ0 भीमनाथ झा

H Mandal Aruna Chandra 24.10 24-10-15 24/10/15

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

8

(6)

6. शिखरिणी- चेतना समिति, पटना।
7. A Survey of Maithili Literature -Prof. R.K. Choudhary
8. A History of Modern Maithili Literature - Dr Devkant Jha
9. भिन्न-अभिन्न - डॉ0 रमण झा
10. मैथिली पत्र- पत्रिका - सं0 मोहन भारद्वाज
11. आधुनिक मैथिली नाटकक वैशिष्ट्य ओ विकास - डॉ0 शंकर झा
12. आधुनिक मैथिली साहित्यक पृष्ठभूमि - डॉ0 अमरनाथ झा

दसम पत्रः कथा ओ उपन्यास (M - Mai (302))

निर्धारित ग्रंथः

दू पत्र	-	पं0 उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास'
पृथ्वीपुत्र	-	ललित
अश्रुकण	-	मनमोहन झा
घरदेखिया	-	सुभाषचन्द्र यादव
बीछल कथा	-	हरिमोहन झा

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपे विभक्त रहत-

Credit-1	दू पत्र
Credit-II	पृथ्वीपुत्र
Credit-III	अश्रुगण
Credit-IV	घरदेखिया
Credit-V	बीछल कथाक पाठ्यांश- विकट पाहुन, रेलक अनुभव, मर्यादाक भंग, धर्मशास्त्राचार्य, बाबाक संस्कार, अलंकार शिक्षा।

सहायक ग्रंथ :-

1. मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ0 दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
2. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास - डॉ0 दिनेश कुमार झा
3. मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अध्ययन - डॉ0 अमरेश पाठक
4. मैथिली साहित्यक रूपरेखा - चेतना समिति, पटना।
5. मैथिली काव्यक विकास- साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
6. शिखरिणी - चेतना समिति, पटना।
7. A Survery of Maithili Literature -Prof. R. K Choudhary

एगारहम पत्रः आधुनिक मैथिली नाटक एवं एकांकी - M - Mai (303)

निर्धारित ग्रंथ-

सुन्दर संयोग	-	जीवन झा
ओकरा आङनक बारहमासा	-	महेन्द्र मलंगिया
भफाइत चाहक जिनगी		सुधांशु 'शेखर' चौधरी

24/10/15

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

एकांकी संग्रह	-	मैथिली अकादमी, पटना।
पसिझैत पाथर	-	डॉ0 रामदेव झा

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपे विभक्त रहत-

Credit-1	सुन्दर संयोग
Credit-II	ओकरा आङनक बारहमासा
Credit-III	भफाइत चाहक जिनगी
Credit-IV	पसिझैत पाथर
Credit-V	एकांकी -जीवन संघर्ष, शस्त्र ओ शास्त्र, बेलकमारल, मोछ-संहार, हाथीक दाँत।

सहायक ग्रंथ :-

1. मैथिली नाटकक उद्भव ओ विकास- डॉ0 लेखनाथ मिश्र
2. मैथिली नाटक परिचय - डॉ0 प्रेमशंकर सिंह
3. मैथिली नाटक पर संस्कृतक प्रभाव - डॉ0 जयमंत मिश्र
4. मैथिली नाटकमे चरित्र सृष्टि - डॉ0 इंदिरा झा
5. आधुनिक मैथिली नाटक (पहिल शताब्दी)- सं0 मधुकांत झा

बारहम पत्र: प्रबंध-काव्य M - Mai (304)

निर्धारित ग्रंथ

कृष्ण जन्म	-	मनबोध
कृष्णचरित	-	तन्त्रनाथ झा
चाणक्य	-	दीनानाथ पाठक 'बंधु'
पतन	-	पं0 उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास'
उत्तरा	-	पं0 सुरेन्द्र झा 'सुमन'

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपे विभक्त रहत-

Credit-1	कृष्ण जन्म
Credit-II	कृष्ण चरित
Credit-III	चाणक्य
Credit-IV	पतन
Credit-V	उत्तरा

सहायक ग्रंथ :-

1. मैथिली महाकाव्यक उद्भव ओ विकास - डॉ0 शिवशंकर झा 'कांत'
2. मैथिली महाकाव्यमे नारी चित्रण - डॉ0 प्रभावती झा
3. मैथिली साहित्यक रूपरेखा - चेतना समिति, पटना
4. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक अध्ययन - डॉ0 दिनेश कुमार झा
5. मैथिली काव्यक विकास - सं0 सुरेश्वर झा
6. मैथिली काव्यमे अलंकार - डॉ0 रमण झा

24.10.15

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

द्वितीय वर्ष चतुर्थ सत्रार्द्ध (Sem-4)

तेरहम पत्र- अनुवाद विज्ञान आ पाश्चात्य आलोचना सिद्धान्त (Code No- M-Mai (401)

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपें विभक्त रहत-

Credit-1 अनुवाद विज्ञानक सिद्धान्त

Credit-II अनुवाद विज्ञानक स्वरूप

Credit-III अनुवादक स्वरूप

Credit-IV मैथिली अनुवाद साहित्य

Credit-V पाश्चात्य आलोचना सिद्धान्त - अनुकरण सिद्धान्त आ विरेचन सिद्धान्त।

सहायक ग्रंथ :-

1. मैथिलीक स्वरूप विधान, - डॉ0 शक्तिधर झा
2. अनुवाद विज्ञान-डॉ0 बालेन्दु शेखर चौधरी
3. अनुवाद विज्ञान- डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. अनुवाद सिद्धान्त एवं व्यवहार-डॉ0 जयन्ती प्रसाद नौटियाल

चौदहम पत्र : लोक साहित्य (Code No- M-Mai (402)

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपें विभक्त रहत-

Credit-1 लोकगीत

Credit-II लोकगाथा

Credit-III लोककथा

Credit-IV लोकनाट्य

Credit-V संस्कार गीत आ व्यवहार गीत

सहायक ग्रंथ :-

1. मैथिलीक लोक गीत- डॉ0 अणिमा सिंह
2. प्रबंध- संग्रह : रमानाथ झा
3. मैथिलीमे व्यवहार गीत- डॉ0 लोकनाथ मिश्र
4. लोक साहित्य ओ सम्पदा - डॉ0 योगानंद झा
5. पूर्वांचल लोक साहित्य - सं0 - जयदेव मिश्र, चेतना समिति, पटना।
6. मैथिली लोकगाथा-डॉ0 महेन्द्र नारायण राम
7. मैथिली लोक साहित्य:स्वरूप ओ सौन्दर्य- डॉ0 रामदेव झा
8. लोकजीवन ओ लोकसाहित्य -डा0 योगानन्द झा
9. लोकगाथाक इतिहास- मणिपद्म

24.10.15

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

(8)

चयनात्मक (Elective)

पन्द्रहम पत्र (क) विद्यापति (Code No- M-Mai (403)

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपे विभक्त रहत-

Credit-1 विद्यापतिक व्यक्तित्व-कृतित्व

Credit-II विद्यापतिक काव्यगुण, विद्यापतिक काव्यमे सामाजिक चेतना,

Credit-III मान, विरह, अभिसार

Credit-IV वय: सन्धि, परवर्ती कविपर प्रभाव

Credit-V पदावलीमे दूतीक स्थान, भक्तिभावना, विद्यापतिक व्यापक प्रभाव।

सहायक ग्रंथ :-

1. महाकवि विद्यापति- शिवनंदन ठाकुर
2. विद्यापति -डॉ0 शैलेन्द्र मोहन झा
3. विद्यापति वाड्.मय- डॉ0 मुनीश्वर झा
4. तापस कवि विद्यापति - डॉ0 मुनीश्वर झा
5. विद्यापति पुनर्मूल्यांकन- सं0 दीनानाथ झा
6. विद्यापति पदावली - डॉ0 विभूति आनंद
7. विद्यापति पदावली- राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
8. विद्यापतिक उत्स- डॉ0 वीणा ठाकुर
9. विद्यापति गीत रत्नाकर : सं. अमरनाथ झा

चयनात्मक (Elective)

पन्द्रहम पत्र (ख) चन्दा झा एवं लालदास (Code No- M-Mai (403)

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपे विभक्त रहत-

Credit-1 -कवीश्वरक व्यक्तित्व एवं रचना।

Credit-II लालदास व्यक्तित्व एवं रचना

Credit-III मिथिला भाषा रामायण

Credit-IV रमेश्वरचरित मिथिला रामायण

Credit-V दूनू रामायणक तुलनात्मक विवेचन

सहायक ग्रंथ :-

1. मिथिला भाषा रामायण-कवीश्वर चन्दा झा

H Mandal 24-10 24-10-15 24/10/15

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

2. रमेश्वरचरित मिथिला रामायण–कविवर लालदास
3. चन्दा झा- जयदेव मिश्र
4. कवीश्वर चन्दा झा ओ हुनक मिथिला भाषा रामायण-डॉ0 अमरनाथ झा
5. चन्द्र रचनावली- डॉ0 विश्वेश्वर मिश्र
6. कवीश्वर चन्दा झा- डॉ0 ललितेश्वर झा
7. लालदास -डॉ0 देवेन्द्र झा
8. चन्द्र पद्यावली - पं0 बलदेव मिश्र
9. प्रबंध-संग्रह- रमानाथ झा
10. लालदास- राधाकृष्ण चौधरी,मैथिली अकादमी, पटना
11. चन्दा झा ओ लालदासक रामायणक तुलनात्मक अध्ययन -डॉ0 मुरलीधर झा

चयनात्मक (Elective)

पन्द्रहम पत्र (ग) काशीकांत मिश्र 'मधुप' (Code No- M-Mai (403)

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपे विभक्त रहत-

Credit-1	राधाविरह
Credit-II	झांकार
Credit-III	द्वादशी
Credit-IV	शतदल
Credit-V	प्रेरणापुंज

सहायक ग्रंथ :-

1. काशीकांत मिश्र 'मधुप'- श्रीचन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'
2. कथाकाव्य आ द्वादशी-डॉ0 अरुण कुमार कर्ण
3. मधुप अमर कीर्ति कवि तोर (स्मृति ग्रंथ)
4. मैथिली साहित्यक इतिहास-डा0 दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
5. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास- डा0 दिनेश कुमार झा
6. कवि चूड़ामणिक काव्य साधना- डॉ0 भीमनाथ झा

चयनात्मक (Elective)

सोलहम पत्र (क) पं. सुरेन्द्र झा 'सुमन' (Code No- M-Mai (404)

निर्धारित ग्रंथ एपं पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपें विभक्त रहत-

Credit-1 पयस्विनी

...of Maithili
Patna University, Patna-5

(2)

Credit-II प्रतिपदा

Credit-III दतवत्ती

Credit-IV अर्चना

Credit-V उगनाक देआदवाद

सहायक ग्रंथ :-

1. श्री सुमन साहित्य सौरभ- सं0- पं0 चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर' ,एवं भीमनाथ झा
2. मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ0 दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
3. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास–डा0 दिनेश कुमार झा
4. पं0 सुरेन्द्र झा 'सुमन' - साहित्य अकादेमी, दिल्ली।

चयनात्मक (Elective)

सोलहम पत्र (ख): 'यात्री' (Code No- M-Mai (404)

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपें विभक्त रहत–

गण्यता -I- पारो

गण्यता -II- नवतुरिया

गण्यता -III- पत्रहीन नग्न गाछ

गण्यता -IV- चित्रा- प्रारंभसँ चौदह कविता

गण्यता -V- चित्रा–पन्द्रहमसँ अंत धरिक कविता

सहायक ग्रंथ :-

1. यात्री काव्य विवेचन - डॉ0 यशोदानाथ झा
2. यात्री साहित्यावलोकन - सं0-डा0 बासुकी नाथ झा
3. यात्री सं0- हरि नारायण मिश्र
4. यात्री समग्र - सं0 - शोभाकांत
5. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास - डॉ0 दिनेश कुमार झा

चयनात्मक (Elective)

सोलहम पत्र (ग) 'आधुनिक गद्य एवं गद्यकार' (Code No- M-Mai (404)

निर्धारित पाठ्यांश प्रत्येक गण्यतामे निम्न रूपें विभक्त रहत–

गण्यता -I- चन्दा झा, म0 म0 परमेश्वर झा

गण्यता -II- म0 म0 मुरलीधर झा, भोलालाल दास

गण्यता -III- प्रो0 रमानाथ झा, डा0 जयकांत मिश्र

गण्यता -IV- डा0 शैलेन्द्र मोहन झा, प्रो0 हरिमोहन झा

24.10.17

H Mandal

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5

(9)

गण्यता -V- मणिपद्म

सहायक ग्रंथ :

1. मैथिली गद्यक विकास- साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
2. मणिपद्म- हंसराज
3. म0 म0 मुरलीधर झा- मैथिली अकादमी
4. म0 म0 परमेश्वर झा- सं0- डॉ0 दुर्गानाथ झा 'श्रीश'
5. भोलालाल दास- जटाशंकर दास
6. शैलेन्द्र मोहन झा- महेन्द्र झा
7. रमानाथ झा अभिनंदन ग्रंथ
8. मणिपद्मक काव्यकृतिक आलोचनात्मक अध्ययन- डॉ0 देवनारायण साह
9. मैथिली साहित्यक इतिहास - डॉ0 दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

H Mandal 24.10.15 24.10.15 24.10.15

Arun Chaudhary

24.10.15

Head of the Department of Maithili
Patna University, Patna-5